www.ropanonline.com

RNI NO. CHHBIL/2020/79641

रोपण

वर्ष-2 अंक-4 माह- दिसंबर 2021 हिन्दी/अंग्रेजी मासिक पत्रिका राजनांदगांव से प्रकाशित पृष्ठ-36, मूल्य- 40/- रुपए

Terrace Gardening for a green future

सूरजमुखी की उन्नत खेती की संपूर्ण जानकारी

छत्तीसगढ़ में अगेती फूलगोभी की वैज्ञानिक खेती

www.facebook.com/ropan www.instagram.com/ropanonline www.twitter.com/@ropanonline

RNI NO.- CHHBIL/2020/79641

रोपण (मासिक)

वर्ष-02 अंक-04 माह- दिसम्बर 2021 मूल्य-40/-

✷

संपादक

अमित नामदेव

✷

सह-संपादक

गौरव कुमार

✷

तकनीकी संपादक

श्री द्विवेदी प्रसाद

श्री ईश्वरी साहू

डॉ. वंदना शुक्ला

डॉ. धर्म प्रकाश श्रीवास्तव

✷

कानूनी सलाहकार

रीमा चेलक

(अधिवक्ता)

मुद्रण का स्थान

सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती, अमीन पारा रायपुर

(छ.ग.) पिन कोड-492001

अंदर के पन्नों में.....

आवरण कथा	अनुक्रम
मासिक कृषि एवं पशुपालन कार्ययोजना (दिसम्बर)....	3
ट्राईबल इंडिया महोत्सव में कोरिया जिले के कृषि उत्पाद....	4
आदिवासी क्षेत्रों में विकास की नयी रौशनी फैलाएगी, चिराग ...	5
सूरजमुखी की उन्नत खेती की संपूर्ण जानकारी....	6
अलसी- एक बहुउपयोगी फसल....	8
करेले के खेती	10
मिर्च में चूसक कीटों का प्रकोप एवं प्रबंधन ...	11
लाख कीड़ों के शत्रु और उनका प्रबंधन.....	12
प्लांट टिशुकल्चर प्रकार एवं उपयोग....	15
छत्तीसगढ़ में अगेती फूलगोभी की वैज्ञानिक खेती...	17
कृत्रिम गर्भाधान.....	19
ब्यांत के समय एवं ब्यात के बाद गाय एवं भैंस की	21
राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों के	22
चने की उन्नत खेती एवं उत्पादन तकनीक.....	23
मृदा उर्वरता प्रबंधन..	25
TERRACE GARDENING FOR A GREEN	28
The need of digital marketing for agriculture	31
The Organic Farming Concept in India	34

-: प्रधान कार्यालय :-

सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव (छ.ग.)

ई.मेल.-ropan.info@gmail.com

फोन नं.- 9174454149

समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र राजनांदगांव होगा। मासिक रोपण में प्रकाशित लेख, सामग्री में संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है, उसमें किसी भी प्रकार का दावा या विचार मान्य नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित नामदेव द्वारा सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती अमीन पारा रायपुर से मुद्रित कर व म.नं.-755/3, वार्ड नं.-29, सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव से प्रकाशित। संपादक-अमित नामदेव। मो.नं.-9174454149

चने की उन्नत खेती एवं उत्पादन तकनीक

- **डॉ. पी.मूवेंथन, डॉ. रेवेन्द्र कुमार साहू एवं मनोज कुमार साहू**

आईसीएआर. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट (ICAR-NIBSM), बरोंडा, रायपुर, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में चने की खेती, रबी के मौसम में की जाती हैं। छत्तीसगढ़ में चने की पैदावार ज्यादातर दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, कर्वधा तथा बिलासपुर इत्यादि जिलों में ली जाती हैं। जैव प्रौधोगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित, बायोटेक किसान हब परियोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के इन तीन जिलों- राजनांदगांव, महासमुंद तथा कोरबा के पांच-पांच गांवों के दस-दस किसानों को एक एकड़ के प्रति 30-35 किलोग्राम चने कि बीज प्रदान किया गया हैं।

भूमि का चयन व तैयारी–आमतौर पर चने की खेती हल्की से भारी भूमि पर की जाती हैं किन्तु अधिक जल धारण क्षमता एवं उचित निकास वाली भूमियाँ सर्वोत्तम रहती हैं। छत्तीसगढ़ की डोरसा, कन्हार भूमि चने की खेती के लिए उपयुक्त हैं।

ट्रेक्टरचलित यंत्र या बैल चलित यंत्र से जुताई कर चने की बुवाई की जा सकती हैं। बुवाई के बाद पाटा चलाकर मिट्टी के ढेलों को तोड़ ले, पाटा चलाने से खेत में नमी बनी रहती हैं।

उन्नत जातियाँ– RVG-201, RVG- 202

बीज की मात्रा– एक हेक्टेयर के लिए लगभग 75 से 80 किलो बीज उपयुक्त होती हैं। बुवाई के पूर्व 3 ग्राम थायरम प्रतिकिलो बीज के हिसाब से या ट्राईकोडर्मा 5 ग्राम प्रतिकिलो बीज के हिसाब से बीजोपचार करें, इससे बीज व भूमिजनित फफुंदयुक्त बिमारियों से सुरक्षा प्रदान होती हैं।

राइजोबियम कल्चर का उपयोग

- सर्वप्रथम बीजोपचार के बाद बीज को राइजोबियम एवं पी.एस.बी. कल्चर 5 ग्राम प्रतिकिलो बीज के हिसाब से उपचारित करें।
- एक एकड़ के लिए आवश्यक बीज ले तथा पानी के हल्के छींटे देकर बीज को नम करें, फिर कल्चर को बीज पर छिड़ककर अच्छी तरह मिलायें।

- बीज को छाया में सुखायें, तथा शीघ्र ही बोयें।
- उपचारित बीज को 25 से 30 से.मी. दूर कतारों में बुवाई करें, पौध से पौध की दूरी 10 से.मी. ही रखें।

बुवाई का समय– उतेरा 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, समय से बुवाई 15 अक्टूबरसे 15 नवम्बर, विलंब से बुवाई 10 दिसम्बर तक।

उर्वरक– 20 किलो नत्रजन 40 किलो स्फूर तथा 20 किलो पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर कि दर से बुवाई के समय पूरी मात्रा देवें। असिंचित फसल में 2 प्रतिशत यूरिया का छिड़काव फूल आने के समय करें।

सिंचाई– पहली सिंचाई बुवाई के 35 –40 दिन बाद व दूसरी 60–65 दिन बाद करें, अथवा सीपेज (रिसाव) पद्धति से हल्की सिंचाई करें।

निंदाई गुड़ाई

- नींदा का प्रकोप दिखें तो 25–30 दिन के अंदर निंदाई अवश्य करें।
- कतारों के बीच में नींदा नियंत्रण के लिए मानवचलित व्हील–हो, सायकल व्हील–हो हैण्ड–हो को चलायें।
- नींदा नियंत्रण हेतु नींदानाशक दवाओं का प्रयोग करें।

पौध संरक्षण- रोगप्रबंधन

(1) उकठारोग (विल्ट)

लक्षण– इस रोग के लक्षण फसल की किसी भी अवस्था में देंखे जा सकते हैं, विशेषकर पौध तथा विकसित अवस्था में।

प्रबंधन–

- बीज को केप्टान (3 ग्राम प्रतिकिलो बीज) या बेनलेट तथा थायरम (1:1) 2 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपचारित कर देना चाहिएं।
- कम से कम 3 वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- बुवाई कुछ देरी से करनी चाहिए। (अक्टुबर के दूसरे–तीसरे सप्ताह से)
- रोगरोधी किस्में जैसे– जे.जी.–74, जे.जी.–315, विजय जी.जी.–1, जे.जी.–16, जे.जी–

11, इंदिरा चना-1, जे.एस.सी. इत्यादि को उगाना चाहिए।

(2) स्तंभसंधि विगलन (कॉलर रॉट)-

लक्षण-

- रोग का प्रकोप होने पर पौधे हल्के पीले पड़कर नष्ट हो जाते हैं।
- वयस्क पौधें में संक्रमण होने पर, तने का भाग भूरा होकर सड़ने लगता हैं।

प्रबंधन-

- ट्राइकोडर्मा से पूर्व उपचारित गोबर की खाद का उपयोग बुवाई पूर्व लगातार 3 वर्ष तक करने से रोग का प्रकोप कम होने लगता हैं।
- बुवाई से पहले बीज का थायरम (3 ग्राम) या कार्बेनडाजिम (1 ग्राम बाविस्टीन) फँफूदनाशक दवाओं के साथ राइजोबियम (10 ग्राम) तथा ट्राइकोडर्मा जैविक नियंत्रणकर्ता से 5-10 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर उपचारित कर बोना चाहिए।

(3) जड़ सड़न (रूट रॉट) -

लक्षण-

- संक्रमित पौधे के ऊपरी भाग की पत्तियां तथा उनके पणवृन्त मुरझाने लगते है, तथा कुछ समय बाद पीले पड़कर सूख जाते है।
- संक्रमित पौधे के निचली पत्तियां और शाखाएं सूखकर भूरे रंग की हो जाती हैं।
- सूखे हुए पौधो को उखाड़ने पर उसकी मुख्य जड़ जमीन में ही रह जाती हैं।
- जमीन में रह गई जड़ को निकालकर देखने से उस परपार्श्व व पतली जड़े दिखाई देती हैं।

प्रबंधन-

- रोगरोधी किस्में जैसे-गौरव, जी.एन.जी-146 तथा 469, सी 235, बी.जी. 261, पी.बी.जी.-1, आई.सी.जी. 32 (काबुली) तथा जी.एल 769 (देशी) उगाना चाहिए।
- एक ही खेत में लगातार चने की फसल नहीं लेनी चाहिए, फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- खड़ी फसल में अत्यधिक सूखे की स्थिति नहीं आनी चाहिए।

कीट प्रबंधन

चने की इल्ली-इस कीट को चने की फलीछेदक, चने की सुण्डी आदि नामों से जाना जाता हैं। अपनी प्रारंभिक अवस्था में ही इस कीट की इल्ली, पत्तियों, फूलों तथा फलियों को खाना प्रारंभ कर देती हैं।

नियंत्रण -

- न्यूक्लियर पॉली हेडरोसिस वायरस;छच्टद्ध, 250 एल.ई के घोलको 600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर, सुबह अथवा शाम छिड़काव करें।
- खेत में 3-5 मीटर की दूरी पर बांस की लगभग 1 मीटर ऊंची टी आकार की खुंटिया गड़ा देने से मैना तथा अन्य पक्षी बैठकर इल्लियों को खाती हैं।
- ट्राइकोग्रेमा किलो निस युक्त 50,000 अंडो को प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रयोग करें।

रासायनिक नियंत्रण -यदि फसल पर फल्लीछेदक इल्ली, प्रति वर्ग मीटर एक इल्ली हो तो पॉलीट्रिन 44 ई.सी. स्पार्क 36 ई.सी या प्रोपनोफॉस 50 ई.सी स्पार्क का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से छिड़काव करें।

कटाई एवं उत्पादन

- पौध के पत्तियां एवं तना पीला पड़ने पर कटाई करें।
- असिंचित अवस्था में 8-10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा सिंचित अवस्था में 18-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

दिसंबर 2021

रोपण मासिक कृषि पत्रिका

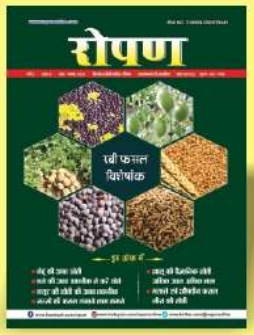

कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास पर आधारित मासिक पत्रिका

रोपण पत्रिका की सदस्यता शुल्क

☐ 1 वर्ष - रु. 500/- ☐ 2 वर्ष - रु. 900/- ☐ 3 वर्ष - रु. 1400/-

बैंक के माध्यम से राशि भेजने के लिए :

A/c Name - ROPAN | Bank of Baroda
A/c No. 62530200001589
IFSC - BARB0VJRAJN (B A R B Zero V J R A J N)

: व्यक्तिगत सदस्यता फार्म :

नाम .....

पूर्ण पता .....

.....पोस्ट.....तहसील.....

जिला.....राज्य.....पिन कोड.....

मो.नं. .....ई-मेल.....

नोट : सदस्यता राशि रोपण के नाम से खाता क्रं. में देय मान्य होगा। सुविधा के लिए ट्रांजेक्शन का विवरण मो. नं. 9174454149 पर व्हाट्सअप करें।

ROPAN

सम्माननीय सदस्यों से अनुरोधः

UPI - 9174454149

- समस्त पत्रिकाएं साधारण डाक द्वारा भेजी जाएगी।
- सदस्यों को प्रति न प्राप्त होने की स्थिति में कार्यालय में सूचित करके 20 दिवस के भीतर कार्यालय से संपर्क करें अपनी प्रति प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद दावे पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ताक्षर

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 । मो.नं. 9174454149

Vedant®

Irrigation System

वेदांत स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली अपनायें... अधिकतम फसल लेकर समृद्धि पाये ।

IS - 14151 Part-2

CM/L-2552958

HDPE COIL

एडाप्टर

टी

पी.सी.एल.

एंड प्लग

बैंड

MFG: VEDANT POLY AGRO

19-21, Industrial State, Rajnandgaon C.G.

Ph.: 07744-225022, Mob.: 93018-99909, 95841-20222

रोपण

–: सदस्यता, लेख एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें :–

अमित नामदेव

संपादक - रोपण

संपर्क : 9174454149, 8103607021

Email : ropan.info@gmail.com

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 । www.ropanonline.com